सत्यमेव जयते

प्रारंभिक शिक्षा विभाग – राजस्थान सरकार

सतत एवं व्यापक मूल्यांकन योजना के अन्तर्गत

अध्यापक योजना डायरी

कक्षा–1 : हिन्दी

सत्र :.....

विद्यालय का नाम : .....

शिक्षक/शिक्षिका का नाम : .....

शिक्षा का अधिकार

सर्व शिक्षा अभियान
सब पढ़ें सब बढ़ें

अध्यापक योजना डायरी के बारे में

- दैनिक शिक्षण योजना, अवलोकन एवं सतत आकलन हेतु शिक्षक स्वयं की एक साधारण डायरी संधारित करें।
- प्रत्येक शिक्षक को विद्यालय समय–सारणी में निर्धारित विषय के अनुसार योजना डायरी संधारित करनी होगी। इस योजना डायरी में विद्यार्थी के नाम, पाठ्यक्रम, टर्मवार अधिगम उद्देश्य एवं सम्बन्धित पाठ, कक्षा के बच्चों के उपसमूहों का विवरण, योजना समीक्षा एवं रचनात्मक आकलन चैकलिस्ट सम्मिलित है। इनका क्रमवार विस्तारित विवरण आगामी बिन्दुओं में दिया गया है।
- सम्बन्धित कक्षा के विद्यार्थी के नाम एवं रोल नं. डायरी के तृतीय पृष्ठ पर लिखे जाएंगे। विद्यार्थी उपस्थिति रजिस्टर में लिखे गए क्रमानुसार यहां नाम लिखना है।
- **अधिगम स्तर के अनुसार उप समूहों की स्थिति एवं लक्ष्य** – हिन्दी, अंग्रेजी एवं गणित पढ़ाने वाले शिक्षकों को आधार रेखा आकलन या अन्तिम योगात्मक आकलन से प्राप्त सम्बन्धित कक्षा के विद्यार्थियों की शैक्षिक स्थिति एवं उसके अनुरूप लक्ष्य निर्धारित करके, दिए गए प्रपत्र में दर्ज़ करना है।
- **शिक्षण–आकलन योजना** – इस प्रारूप में क्रमशः पाठ/इकाई, अवधारणा/थीम, कक्षा समूह के लिए अधिगम उद्देश्य, शिक्षण कार्य (सामूहिक, उपसमूह एवं व्यक्तिगत कार्य) एवं सतत आकलन गतिविधियों से संबंधित बिन्दुओं को शामिल किया गया है। इनके तहत पाठ्यक्रम के अनुरूप योजना का निर्माण किया जाना अपेक्षित है। यहाँ सम्पूर्ण कक्षा के लिए **"अधिगम उद्देश्य से तात्पर्य"** पाठ या अवधारणा से संबंधित सभी विद्यार्थियों के लिए अधिगम उद्देश्यों को व्यापक रूप में लिखने से है।
- **"उपसमूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य"** से तात्पर्य संबंधित कक्षा में आरम्भिक लेखन, पठन एवं गणित से संबंधित बुनियादी दक्षताओं पर अध्ययनरत विद्यार्थियों के लिए योजना के तहत विशेष अधिगम उद्देश्य निर्धारित किए जाने से है।
- **मासिक समेकित रचनात्मक आकलन** – इसके अंतर्गत बच्चों के सीखने की स्थिति को प्रत्येक माह के अन्त में कक्षा–कक्षीय शिक्षण के दौरान संग्रहित विभिन्न स्रोतों से प्राप्त सूचनाओं को समेकित करते हुए आकलन सूचकों के सापेक्ष दर्ज़ करना है।
- चैकलिस्ट में दर्शाए गए प्रथम कॉलम में माह I, II एवं द्वितीय कॉलम में **'कार्य किया'** लिखा गया है। इसका तात्पर्य है कि जिस माह में जिन–जिन अधिगम क्षेत्रों के लिए आकलन–सूचकों के सापेक्ष कार्य किया जाएगा उनके सामने सही (✓) का चिह्न दर्शाया जाएगा। यदि दोनों माहों में कार्य किया गया है तो दोनों में ही (✓) का चिह्न लगाया जाएगा।
- प्रथम टर्म के अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष निर्धारित आकलन सूचक आगे की टर्म की चैकलिस्ट में भी सम्मिलित किए गए हैं ताकि पूर्व की टर्म में बच्चे किन्हीं अधिगम उद्देश्यों पर अपेक्षित स्तर प्राप्त नहीं कर पाते हैं तो उनका आकलन आगे की टर्म में भी किया जा सकेगा।
- मासिक रचनात्मक समेकित आकलन के लिए दी गई चैकलिस्ट में अधिकतम 50 बच्चों का आकलन दर्ज़ किया जा सकता है। चैकलिस्ट की सबसे ऊपर की पंक्ति में बच्चों का क्रमांक लिखा गया है जो कि डायरी के तृतीय पृष्ठ पर लिखे गए बच्चों के नाम के क्रम में होगा।
- बुनियादी दक्षताओं से सम्बन्धित चैकलिस्ट में बच्चों का नाम– क्रमांक तृतीय पृष्ठ पर दिए नामों के क्रमांक के अनुसार लिखा जाएगा। (उदाहरण के तौर पर यदि क्रमांक 8, 10 व 15 के बच्चे निर्धारित कक्षा से पीछे हैं तो उन्हीं बच्चों का वही क्रमांक दर्ज़ किया जाएगा।)
- चैकलिस्ट में आकलन A, B एवं C ग्रेड द्वारा दर्ज़ किया जाएगा जिसका विवरण निम्नानुसार है – A= स्वतंत्र रुप से कार्य कर पाना या अपेक्षित स्तर की समझ/दक्षता होना; B= शिक्षक की सहायता से कार्य कर पाना या मध्यम स्तर की समझ/दक्षता होना तथा C= शिक्षक की विशेष सहायता से कार्य कर पाना या आरम्भिक स्तर की समझ/दक्षता होना है।
- इसमें आरंभिक लेखन–पठन एवं गणित की बुनियादी दक्षताओं से सम्बन्धित चैकलिस्ट को भी सम्मिलित किया गया है। जिसमें ऐसे विद्यार्थी जो नामांकित कक्षा–स्तर पर नहीं हैं उनका मासिक समेकित रचनात्मक आकलन दर्ज़ किया जाएगा। इसके लिए भी ऊपर वर्णित ग्रेड के अनुसार आकलन दर्ज़ करना होगा।

'सतत एवं व्यापक मूल्यांकन योजना' के विकास एवं कार्यान्वयन में सहभागी संस्थाएँ

राजस्थान प्रारम्भिक शिक्षा परिषद्

एस.आई.ई.आर.टी., उदयपुर

यूनिसेफ, जयपुर

बोध शिक्षा समिति

विद्यार्थियों के नाम व रोल नम्बर

रो.नं.	छात्र/छात्रा का नाम	लिंग
1		
2		
3		
4		
5		
6		
7		
8		
9		
10		
11		
12		
13		
14		
15		
16		
17		

रो.नं.	छात्र/छात्रा का नाम	लिंग
18		
19		
20		
21		
22		
23		
24		
25		
26		
27		
28		
29		
30		
31		
32		
33		
34		

रो.नं.	छात्र/छात्रा का नाम	लिंग
35		
36		
37		
38		
39		
40		
41		
42		
43		
44		
45		
46		
47		
48		
49		
50		

पाठ्यक्रम कक्षा : 1 व 2 (राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, उदयपुर द्वारा निर्धारित)

बोलना–सुनना

- भाषा की विविध विधाओं, जैसे– गीत, कविता, कहानी, वार्तालाप, संवाद, चित्र व दृश्य पर चर्चा आदि को सुनकर आनंद प्राप्त करना।
- ध्यान से एवं धैर्यपूर्वक सुनकर समझना।
- परिवेश एवं संदर्भ से संबंधित सामग्री को समझना।
- सुनने के शिष्टाचार का पालन करना।
- गति एवं हाव–भाव के अनुसार बोलना।
- परिचित एवं नवीन परिस्थितियों में सहजता से अपने विचार प्रस्तुत करना।
- अपने विचार, अनुभवों एवं कल्पना को अपने शब्दों में प्रस्तुत करना।
- प्रश्न बनाना व पूछना।
- घर, परिवेश एवं विद्यालय की भाषा में तालमेल बैठाकर अपने अनुभव व्यक्त करना।
- सुनी हुई बात को अपने शब्दों में कहना।
- पढ़ी गई सामग्री को अपने शब्दों में कहना।
- गीत, कविता, कहानी व अपने विचारों को अकेले तथा समूह में प्रस्तुत करना।
- सुने हुए गीत, कविता, कहानी, वार्तालाप आदि में अपने अनुभवों को जोड़कर अपनी बात कहना।
- अपने घर, परिवार, विद्यालय एवं परिवेश में होने वाली समूह चर्चा में भाग लेना और अपने विचार प्रस्तुत करना।
- अपने अनुभव एवं कल्पनालोक की बातों को सहज ढंग से कहना।
- सुनी, पढ़ी सामग्री में क्या, कौन, कब, कैसे, कहाँ जैसे प्रश्न पूछ पाना एवं पूछे गए प्रश्नों के उत्तर देना।
- कविता, कहानी को अपनी कल्पना से आगे बढ़ाते हुए बोलना।
- ध्वनात्मक शब्दों के साथ खेलने व गढ़ने के अवसर का लाभ उठाना, जैसे– अक्कड़–बक्कड़, हल्लम–चल्लम।

पढ़ना

- पढ़ने की ललक होना।
- अनुमान लगाकर पढ़ना एवं अर्थ खोजना।
- बच्चे द्वारा शब्दों और वाक्यों को वर्ण जोड़कर पढ़ने की बजाय इकाई के रूप में समझकर पढ़ना।
- अपने परिवेश में उपलब्ध सामग्री को अनुमान लगाकर समझते हुए पढ़ना। जैसे– दीवार श्यामपट्ट, साइनबोर्ड आदि।
- परिवेश में उपलब्ध संदर्भों, चित्रों व छपी हुई सामग्री को पढ़कर समझना।
- शब्दों में आपसी सह संबंध स्थापित करते हुए प्रसंग के अनुसार पढ़ना।

लिखना

- शब्द और वाक्य स्पष्ट रूप से लिखना।
- परिवेश व संदर्भों के अनुभवों को अपने शब्दों में लिखना।
- किसी कविता या कहानी को आगे बढ़ाते हुए लिखना।
- सुनी हुई विषयवस्तु व अनुभवों को अपने शब्दों में लिखना।
- प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखना।
- सुनी हुई विषयवस्तु को यथा रूप में लिखना।
- तार्किक चिन्तन के आधार पर सरल रचनाएँ करना एवं अपनी बात लिखना।
- कल्पनाशीलता के आधार पर गीत, कविता, कहानी, चुटकुले आदि की रचना कर पाना।

व्यावहारिक व्याकरण

व्याकरण की अवधारणाओं की अमूर्त परिभाषाएँ याद करने से अधिक महत्त्वपूर्ण है उन्हें वास्तविक संदर्भों में समझना।

चंद्र बिन्दु, अनुस्वार, विसर्ग, संयुक्ताक्षर, 'र' के रूप, विराम चिह्न, पूर्ण विराम, अल्प विराम, प्रश्न वाचक चिह्न, लिंग, वचन को पहचानना तथा प्रयोग में लाना।

प्रथम टर्म

पाठ्यक्रमणीय अधिगम उद्देश्य एवं सम्बन्धित पाठ

पाठ–1 : चक चक चैया (कविता)

- कविता को सुनकर हावभाव के साथ दोहराना।
- परिवेशीय यातायात के साधनों से संबंधित जानकारी एवं अनुभव को बताना।
- शब्द की पहचान करना एवं सीखे गए शब्दों में आए अक्षर ध्वनि को सुन कर समझते हुए उच्चारित करना।
- परिचित शब्द व वर्णाकृतियों को लिखना।

पाठ–2 : रेल का खेल (कविता)

- कविता से अपने अनुभव व कल्पना को जोड़ना।
- संबंधित शब्द को पहचानना एवं पढ़ना।
- सीखे गए शब्द से सम्बन्धित **वर्णों/अक्षरों** को पहचानना।
- ध्वनि के माध्यम से अक्षर की पहचान करना एवं स्वर की ध्वनि एवं संकेत को पहचानना।
- परिचित अक्षर व शब्द लिखना।
- चित्र के अनुसार उचित रंग संयोजन करना।
- कल्पना के अनुसार चित्राकृति बनाना।

चित्र दृश्य : जंगल की सैर

- चित्र दृश्य का बारीकी से अवलोकन करते हुए अपने अनुभवों से जोड़कर अभिव्यक्ति करना।

पाठ–3 : तीन साथी (कहानी)

- चित्र पठन करते हुए कहानी को समझना।
- अनुकरण से कहानी पठन के दौरान शब्दों की पहचान करना।
- कहानी के संदर्भ में अपने विचार बताना एवं कहानी से स्वयं के अनुभव को जोड़ना।
- पूर्व ज्ञान के आधार पर परिवेशीय खान–पान (भोजन) के बारे में स्वयं की रुचि को बताना।
- वर्ण ध्वनि की पहचान करते हुए अन्य शब्दों के साथ सहसम्बन्ध जोड़ना एवं लिखना।
- मात्रा की पहचान कर सीखे गए वर्णों के साथ प्रयोग करना।

पाठ–4 : कल देखेंगे (कविता)

- कविता को सुनकर बोलना एवं अनुकरण से पढ़ना।
- अनुमान लगाकर पढ़ना एवं चर्चा में भाग लेते हुए स्वयं की बात कहना।
- कविता के संदर्भ एवं घटना क्रम के आधार पर स्वयं चिन्तन कर अपने विचार अभिव्यक्त करना।
- निर्देशानुसार अभिनय करते हुए संवाद बोलना।
- कविता में आए नवीन शब्दों को चित्र की मदद से पहचान कर पढ़ना।
- अक्षरों को ध्वनि के साथ सहसम्बन्ध बनाते हुए पहचानना।
- ई स्वर की मात्रा एवं ध्वनि पहचानना एवं मात्रा का प्रयोग करते हुए लेखन करना।
- सीखे गए वर्णों एवं मात्राओं का उपयोग कर शब्द पढ़ना।
- चित्र के अनुसार उचित रंग संयोजन करना।

योजना क्रमांक :	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक ..... से ..... तक

पाठ / इकाई : ..... अवधारणा / थीम : .....

सम्पूर्ण कक्षा समूह के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

बच्चों के सीखने की प्रक्रिया एवं उपलब्धि के सन्दर्भ में शिक्षण योजना की समीक्षा

प्रथम सप्ताह : समयान्तराल ..... से ..... तक	द्वितीय सप्ताह : समयान्तराल ..... से ..... तक
1. कार्य के दौरान बच्चों की सहभागिता की स्थिति के बारे में :–	1. कार्य के दौरान बच्चों की सहभागिता की स्थिति के बारे में :–
2. बच्चों को आ रही कठिनाई के बारे में :–	2. बच्चों को आ रही कठिनाई के बारे में :–
3. अनुभव एवं स्वआकलन :–	3. अनुभव एवं स्वआकलन :–
4. योजना में किए गए बदलाव के बारे में :–	4. बच्चों के अधिगम उपलब्धि के बारे में :–

योजना क्रमांक :	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक ..... से ..... तक

पाठ / इकाई : ..... अवधारणा / थीम : .....

सम्पूर्ण कक्षा समूह के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

बच्चों के सीखने की प्रक्रिया एवं उपलब्धि के सन्दर्भ में शिक्षण योजना की समीक्षा

प्रथम सप्ताह : समयान्तराल ..... से ..... तक	द्वितीय सप्ताह : समयान्तराल ..... से ..... तक
1. कार्य के दौरान बच्चों की सहभागिता की स्थिति के बारे में :–	1. कार्य के दौरान बच्चों की सहभागिता की स्थिति के बारे में :–
2. बच्चों को आ रही कठिनाई के बारे में :–	2. बच्चों को आ रही कठिनाई के बारे में :–
3. अनुभव एवं स्वआकलन :–	3. अनुभव एवं स्वआकलन :–
4. योजना में किए गए बदलाव के बारे में :–	4. बच्चों के अधिगम उपलब्धि के बारे में :–

योजना क्रमांक :	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक ..... से ..... तक

पाठ / इकाई : ..... अवधारणा / थीम : .....

सम्पूर्ण कक्षा समूह के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

बच्चों के सीखने की प्रक्रिया एवं उपलब्धि के सन्दर्भ में शिक्षण योजना की समीक्षा

प्रथम सप्ताह : समयान्तराल ..... से ..... तक	द्वितीय सप्ताह : समयान्तराल ..... से ..... तक
1. कार्य के दौरान बच्चों की सहभागिता की स्थिति के बारे में :–	1. कार्य के दौरान बच्चों की सहभागिता की स्थिति के बारे में :–
2. बच्चों को आ रही कठिनाई के बारे में :–	2. बच्चों को आ रही कठिनाई के बारे में :–
3. अनुभव एवं स्वआकलन :–	3. अनुभव एवं स्वआकलन :–
4. योजना में किए गए बदलाव के बारे में :–	4. बच्चों के अधिगम उपलब्धि के बारे में :–

योजना क्रमांक :	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक ..... से ..... तक

पाठ / इकाई : ..... अवधारणा / थीम : .....

सम्पूर्ण कक्षा समूह के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

बच्चों के सीखने की प्रक्रिया एवं उपलब्धि के सन्दर्भ में शिक्षण योजना की समीक्षा

प्रथम सप्ताह : समयान्तराल ..... से ..... तक	द्वितीय सप्ताह : समयान्तराल ..... से ..... तक
1. कार्य के दौरान बच्चों की सहभागिता की स्थिति के बारे में :–	1. कार्य के दौरान बच्चों की सहभागिता की स्थिति के बारे में :–
2. बच्चों को आ रही कठिनाई के बारे में :–	2. बच्चों को आ रही कठिनाई के बारे में :–
3. अनुभव एवं स्वआकलन :–	3. अनुभव एवं स्वआकलन :–
4. योजना में किए गए बदलाव के बारे में :–	4. बच्चों के अधिगम उपलब्धि के बारे में :–

मासिक समेकित रचनात्मक आकलन

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	माह	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
सुनकर समझना और समझकर बोलना																										
सुनी हुई सरल कविताओं को स्पष्ट शब्दों में दोहरा पाना।	I																									
	II																									
दृश्यात्मक चित्रों को देखकर उसका वर्णन समूह में एवं एकल रूप से कर पाना।	I																									
	II																									
दृश्यों / चित्रों के साथ अपने अनुभवों को अपनी भाषा/बोली से जोड़कर बता पाना।	I																									
	II																									
विभिन्न प्रश्नों/निदेशों को सुनकर जवाब दे पाना।	I																									
	II																									
पढ़ना और पढ़कर समझना																										
संबंधित चित्र के साथ नाम का पठन कर पाना।	I																									
	II																									
शब्द में प्रयुक्त वर्णों को पृथक–पृथक पढ़ पाना।	I																									
	II																									
सीखे गए वर्णों को पहचान कर पढ़ पाना। **(ट, र, ल, च, ब, क, न, थ, ह)**	I																									
	II																									
सीखे गए वर्णों से बने नवीन शब्दों को स्वतंत्र रूप से पढ़ पाना।	I																									
	II																									
विषयवस्तु से संबंधित मात्रा युक्त शब्दों को पढ़ पाना। **(ए,आ,ई)**	I																									
	II																									
लिखना																										
शब्द एवं वर्ण को अनुकरण के द्वारा लिख पाना।	I																									
	II																									
नवीन शब्दों को देखकर स्पष्टता एवं सुंदरता के साथ लिख पाना।	I																									
	II																									
सीखे गए वर्णों एवं मात्रा का प्रयोग करते हुए शब्द लिख पाना।	I																									
	II																									
सृजनात्मक अभिव्यक्ति																										
अभिनय करते हुए संवाद बोल पाना।	I																									
	II																									
चित्रों में उचित रंग संयोजन कर पाना।	I																									
	II																									

मासिक समेकित रचनात्मक आकलन

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	माह	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50
सुनकर समझना और समझकर बोलना																										
सुनी हुई सरल कविताओं को स्पष्ट शब्दों में दोहरा पाना।	I																									
	II																									
दृश्यात्मक चित्रों को देखकर उसका वर्णन समूह में एवं एकल रूप से कर पाना।	I																									
	II																									
दृश्यों / चित्रों के साथ अपने अनुभवों को अपनी भाषा/बोली से जोड़कर बता पाना।	I																									
	II																									
विभिन्न प्रश्नों/निदेर्शों को सुनकर जवाब दे पाना।	I																									
	II																									
पढ़ना और पढ़कर समझना																										
संबंधित चित्र के साथ नाम का पठन कर पाना।	I																									
	II																									
शब्द में प्रयुक्त वर्णों को पृथक–पृथक पढ़ पाना।	I																									
	II																									
सीखे गए वर्णों को पहचान कर पढ़ पाना। **(ट, र, ल, च, ब, क, न, थ, ह)**	I																									
	II																									
सीखे गए वर्णों से बने नवीन शब्दों को स्वतंत्र रूप से पढ़ पाना।	I																									
	II																									
विषयवस्तु से संबंधित मात्रा युक्त शब्दों को पढ़ पाना। **(ए,आ,ई)**	I																									
	II																									
लिखना																										
शब्द एवं वर्ण को अनुकरण के द्वारा लिख पाना।	I																									
	II																									
नवीन शब्दों को देखकर स्पष्टता एवं सुंदरता के साथ लिख पाना।	I																									
	II																									
सीखे गए वर्णों एवं मात्रा का प्रयोग करते हुए शब्द लिख पाना।	I																									
	II																									
सृजनात्मक अभिव्यक्ति																										
अभिनय करते हुए संवाद बोल पाना।	I																									
	II																									
चित्रों में उचित रंग संयोजन कर पाना।	I																									
	II																									

योजना क्रमांक :	सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक ..... से ..... तक

पाठ / इकाई : ..... अवधारणा / थीम : .....

सम्पूर्ण कक्षा समूह के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. उपसमूहों में कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

बच्चों के सीखने की प्रक्रिया एवं उपलब्धि के सन्दर्भ में शिक्षण योजना की समीक्षा

प्रथम सप्ताह : समयान्तराल ..... से ..... तक	द्वितीय सप्ताह : समयान्तराल ..... से ..... तक
1. कार्य के दौरान बच्चों की सहभागिता की स्थिति के बारे में :–	1. कार्य के दौरान बच्चों की सहभागिता की स्थिति के बारे में :–
2. बच्चों को आ रही कठिनाई के बारे में :–	2. बच्चों को आ रही कठिनाई के बारे में :–
3. अनुभव एवं स्वआकलन :–	3. अनुभव एवं स्वआकलन :–
4. योजना में किए गए बदलाव के बारे में :–	4. बच्चों के अधिगम उपलब्धि के बारे में :–

द्वितीय टर्म

पाठ्यक्रमणीय अधिगम उद्देश्य एवं सम्बन्धित पाठ

पाठ–5 : दाल,बाटी,चूरमा (कविता)

- सुनकर कविता को हावभाव के साथ अभिव्यक्त करना।
- परिवेशीय खान–पान की जानकारी, चर्चा में अपनी पसन्द–नापसन्द को अभिव्यक्त करना एवं अलग–अलग संस्कृति के खान–पान में अन्तर करना।
- 'आ' मात्रा ध्वनि एवं संकेत को समझना एवं आ, ई व ए की मात्रा का शब्दों के साथ उपयोग करना।
- पूर्व में सीखे गए वर्णाक्षरों की पहचान करना।
- नवीन शब्दों की रचना करना।
- वाक्य रचना को समझते हुए वाक्य बनाना।
- अपनी पसंद के चित्र बनाकर उचित रंग संयोजन करना।

चित्र दृश्य पठन : बाज़ार चलें

- चित्र दृश्य का बारीकी से अवलोकन करते हुए अपने अनुभवों से जोड़कर अभिव्यक्त करना।

पाठ–6 : टिपिक–पाँ–फुर्र

- अनुकरण द्वारा स्पष्ट शब्दों में कविता को दोहराना एवं स्वयं पढ़ने का प्रयास करना।
- आस–पास में खेले जाने वाले खेलों की जानकारी लेना और स्वयं के खेलों के बारे में बात करना।
- विभिन्न आवाज़ों को सुनकर अन्तर करना।
- इ (ि) ध्वनि की पहचान एवं ख वर्ण ध्वनि को पहचान कर उससे संबंधित शब्दों को पढ़ना।
- कविता में आए नवीन शब्दों को पहचानना।
- सीखी गए मात्रा एवं वर्णों का उपयोग कर पढ़ना एवं स्वयं शब्द लिखना।

पाठ– 7 : ऊँट

- कविता को सुनकर हावभाव व लय के साथ बोलना।
- पूर्व अनुभव के आधार पर अपनी जानकारी को अभिव्यक्त करना।
- नवीन वर्णों को ध्वनि व लिपि के अनुसार पहचानना एवं पढ़ना।
- नए शब्दों का पठन एवं लेखन करना।
- वाक्य सृजन करना।
- चित्र के अनुसार रंग संयोजन करना।

पाठ–8 : घेरा

- संबंधित संदर्भ को समझते हुए अपने परिवेश के अनुभवों को समूह में पहल के साथ अभिव्यक्त करना।
- अनुकरण द्वारा पढ़ना एवं स्वयं भी पढ़ने का प्रयास करना।
- वर्णाकृति एवं ध्वनि के मध्य सहसंबंध स्थापित करते हुए पहचान करना।
- सीखे गए वर्णों का अनुप्रयोग कर पढ़ना।
- नवीन शब्द रचना करना।
- स्वयं चित्र बनाना एवं उचित रंग संयोजन करना।
- परिवेशीय फेरीवालों से सम्बन्धित अनुभव को कक्षा में चल रही चर्चा के दौरान बताना।

पाठ–9 : एक थी चिड़िया (कहानी)

- कहानी को सुनकर आनन्द लेना और स्वयं पढ़ने का प्रयास करना।
- समूह में अपने अनुभवों को जोड़कर अपने विचार रखना।
- पशु–पक्षियों के बारे में पूर्व जानकारी का प्रयोग करना।
- नए वर्णों की ध्वनि के साथ पहचान करना एवं आकृति के साथ मिलाना।
- शब्दों में से विभिन्न वर्ण ध्वनियों को पहचानना।
- सुनी, पढ़ी कविता से संबंधित चित्रांकन करना।
- सीखे गए वर्णों, मात्राओं का प्रयोग कर नवीन शब्द एवं वाक्य सृजन करना।

मासिक समेकित रचनात्मक आकलन

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	माह	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
सुनकर समझना और समझकर बोलना																										
सुनी हुई सरल कविताओं को स्पष्ट शब्दों में दोहरा पाना।	I																									
	II																									
विभिन्न दृश्यात्मक चित्रों को देखकर उसका वर्णन समूह में एवं एकल रूप से कर पाना।	I																									
	II																									
विभिन्न प्रश्नों/ निदेर्शों को सुनकर जवाब दे पाना।	I																									
	II																									
दृश्यात्मक चित्रों को क्रमबद्धता के साथ कहानी के रूप में स्वयं की भाषा में व्यक्त कर पाना एवं अपने अनुभव से जोड़ पाना।	I																									
	II																									
विभिन्न परिवेशीय संदर्भों एवं स्वयं की रुचि आदि से संबंधित बात समूह चर्चा के दौरान पहल के साथ रख पाना एवं दूसरों की बात को सुन पाना।	I																									
	II																									
पढ़ना और पढ़कर समझना																										
संबंधित चित्र के साथ नाम का पठन कर पाना।	I																									
	II																									
विषयवस्तु के अनुसार शब्द में प्रयुक्त वर्णों को पृथक–पृथक पढ़ पाना।	I																									
	II																									
विषयवस्तु के बढ़ते क्रम में आए वर्णों की पहचान कर पाना। **(ट, र, ल, च, ब, क, न, थ, ह, द, ग, ख, ड, झ, स, श, ओ,)**	I																									
	II																									
सीखे गए वर्णों से बने नवीन शब्दों को स्वतंत्र रूप से पढ़ पाना।	I																									
	II																									
मात्रा युक्त शब्दों को पढ़ पाना। **(ए, आ, ई, इ,)**	I																									

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	माह	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
	II																									
सीखे गए वर्ण एवं मात्रायुक्त शब्दों के संयोजन से बने सरल वाक्यों को पढ़ पाना।	I																									
	II																									
लिखना																										
सीखे गए वर्णो /शब्दों को अनुकरण से लिख पाना।	I																									
	II																									
नवीन शब्दों को देखकर स्पष्टता एवं सुंदरता के साथ लिख पाना।	I																									
	II																									
सीखे गए वर्णों एवं मात्रा का प्रयोग करते हुए शब्द लिख पाना।	I																									
	II																									
शब्दों के संयोजन से वाक्य बनाकर लिख पाना।	I																									
	II																									
उपयुक्त शब्दों का चयन करते हुए वाक्य बनाकर लिख पाना।	I																									
	II																									
सृजनात्मक अभिव्यक्ति																										
निर्देशानुसार चित्र बना पाना।	I																									
	II																									
चित्र के अनुसार उचित रंग संयोजन कर पाना।	I																									
	II																									
कविता आदि से संबंधित चित्र बना पाना।	I																									
	II																									

मासिक समेकित रचनात्मक आकलन

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	माह	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50
सुनकर समझना और समझकर बोलना																										
सुनी हुई सरल कविताओं को स्पष्ट शब्दों में दोहरा पाना।	I																									
	II																									
विभिन्न दृश्यात्मक चित्रों को देखकर उसका वर्णन समूह में एवं एकल रूप से कर पाना।	I																									
	II																									
विभिन्न प्रश्नों/ निदेर्शों को सुनकर जवाब दे पाना।	I																									
	II																									
दृश्यात्मक चित्रों को क्रमबद्धता के साथ कहानी के रूप में स्वयं की भाषा में व्यक्त कर पाना एवं अपने अनुभव से जोड़ पाना।	I																									
	II																									
विभिन्न परिवेशीय संदर्भों एवं स्वयं की रुचि आदि से संबंधित बात समूह चर्चा के दौरान पहल के साथ रख पाना एवं दूसरों की बात को सुन पाना।	I																									
	II																									
पढ़ना और पढ़कर समझना																										
संबंधित चित्र के साथ नाम का पठन कर पाना।	I																									
	II																									
विषयवस्तु के अनुसार शब्द में प्रयुक्त वर्णों को पृथक–पृथक पढ़ पाना।	I																									
	II																									
विषयवस्तु के बढ़ते क्रम में आए वर्णों की पहचान कर पाना। **(ट, र, ल, च, ब, क, न, थ, ह, द, ग, ख, ड, झ, स, श, ओ,)**	I																									
	II																									
सीखे गए वर्णों से बने नवीन शब्दों को स्वतंत्र रूप से पढ़ पाना।	I																									
	II																									
मात्रा युक्त शब्दों को पढ़ पाना। **(ए, आ, ई, इ,)**	I																									
	II																									

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	माह	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50
सीखे गए वर्ण एवं मात्रायुक्त शब्दों के संयोजन से बने सरल वाक्यों को पढ़ पाना।	I																									
	II																									
लिखना																										
सीखे गए वर्णो /शब्दों को अनुकरण से लिख पाना।	I																									
	II																									
नवीन शब्दों को देखकर स्पष्टता एवं सुंदरता के साथ लिख पाना।	I																									
	II																									
सीखे गए वर्णों एवं मात्रा का प्रयोग करते हुए शब्द लिख पाना।	I																									
	II																									
शब्दों के संयोजन से वाक्य बनाकर लिख पाना।	I																									
	II																									
उपयुक्त शब्दों का चयन करते हुए वाक्य बनाकर लिख पाना।	I																									
	II																									
सृजनात्मक अभिव्यक्ति																										
निर्देशानुसार चित्र बना पाना।	I																									
	II																									
चित्र के अनुसार उचित रंग संयोजन कर पाना।	I																									
	II																									
कविता आदि से संबंधित चित्र बना पाना।	I																									
	II																									

तृतीय टर्म

पाठ्यक्रमणीय अधिगम उद्देश्य एवं सम्बन्धित पाठ

हमारे त्योहार

- चित्र दृश्य का बारीकी से अवलोकन करते हुए अपने अनुभवों से जोड़कर अभिव्यक्त करना।

पाठ–10 एक–दो–तीन (कविता)

- कविता के माध्यम से संख्या ज्ञान की समझ बनाना। (इन्टीग्रेशन)
- विशेषताओं के आधार पर वर्गीकरण को समझना। (भाषा का वैज्ञानिक अध्ययन)
- नए वर्णों को पहचानकर पढ़ना।
- नवीन शब्दों का सृजन करना।
- दस तक के अंकों की पहचान एवं लेखन करना।

पाठ –11 दोस्ती (कहानी)

- अनुमान लगाकर कहानी को पढ़ना।
- नवीन शब्दों को ग्रहण करना एवं अपनी भाषा में उनका इस्तेमाल करना।
- अपने विचार, अनुभव एवं कल्पना को अपने शब्दो में प्रस्तुत करना एवं दूसरे की बात को धैर्यपूर्वक सुनना।
- कहानी के सन्दर्भ से जुड़ी कविता को हाव–भाव के साथ सामूहिक रूप से गाना।
- व्यक्तिगत रूप से कविता सुनाना।
- लेखन में नवीन वर्ण, मात्राओं का प्रयोग करना।
- चित्र के अनुसार रंग–संयोजन करना।

पाठ –12 उछली गेंद (कविता)

- स्पष्ट शब्दों में कविता को बोलना एवं कविता को गाने की पहल करना।
- परिवेश एवं संदर्भ से सम्बन्धित चर्चा में भाग लेना।
- कौन, कैसे वाले प्रश्नों के उत्तर देना।
- नए स्वर एवं वर्ण को पहचानना।
- स्पष्टता के साथ शब्द पढना़ व लिखना।
- अपने अनुभवों को जोड़ते हुए मन पसन्द चित्र बनाना और रंग भरना।

पाठ – 13 शाकालाका बुम–बुम (कहानी)

- अपने अनुभव व कल्पना को अपने शब्दों में प्रस्तुत करना।
- अवलोकन एवं अनुभव के आधार पर वस्तुओं के चित्र बनाना।
- पूछे गए प्रश्नों के उत्तर देना एवं प्रश्न करना।
- ई व त की पुख्ता समझ बनाना।
- सही वर्ण एवं मात्रा का उपयोग करके सार्थक शब्दों का सृजन एवं लेखन करना।
- वाक्य रचना करना।
- मन पसंद का चित्र बनाकर रंग भरना।

मासिक समेकित रचनात्मक आकलन

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	माह	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
सुनकर समझना और समझकर बोलना0																										
विषयवस्तु के बढ़ते क्रम में सुनी हुई सरल कविताओं को स्पष्ट शब्दों में दोहरा पाना।	I																									
	II																									
बढ़ते क्रम में दृश्यात्मक चित्रों को देखकर उसका वर्णन समूह में एवं एकल रूप से कर पाना।	I																									
	II																									
पूछे गए विभिन्न प्रश्नों/निदेर्शों को सुनकर जवाब दे पाना।	I																									
	II																									
दृश्यात्मक चित्रों को क्रमबद्धता के साथ कहानी के रूप में बता पाना एवं अपने अनुभव से जोड़ पाना।	I																									
	II																									
विभिन्न परिवेशीय संदर्भों एवं स्वयं की रुचि आदि से संबंधित समूह चर्चा के दौरान अपनी बात को पहल के साथ रख पाना एवं दूसरों की बात को सुन पाना।	I																									
	II																									
संबंधित गीत कविता को लय एवं हावभाव के साथ व्यक्तिगत रूप से पहल के साथ सुना पाना।	I																									
	II																									
संदर्भ के अनुसार पूछे गए प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दे पाना (कब, कौन, कहाँ, कैसे, कितने...)	I																									
	II																									
किसी चित्र, दृश्य, वस्तु आदि का वर्णन अपने शब्दों में बिना झिझक के कर पाना एवं सुनी हुई कहानी को अपने शब्दों में सुना पाना।	I																									
	II																									
पढ़ना और पढ़कर समझना																										
विषयवस्तु के बढ़ते क्रम में संबंधित चित्र के साथ नाम को पढ़ पाना।	I																									
	II																									
विषयवस्तु के अनुसार शब्द में प्रयुक्त वर्णों को पृथक–पृथक पढ़ पाना।	I																									
	II																									
विषयवस्तु के बढ़ते क्रम में आए वर्णों की पहचान कर पढ़ पाना। **(ट, र, ल, च, ब, क, न, थ, ह, द, म, आ, ओ, ख, ड़, झ, ष, ऐ, औ, श, य, अ, प, छ,ए, स, ऊ,इ,फ, ढ,ढ़,घ, उ, ध, ई, त)**	I																									
	II																									
सीखे गए वर्णों से बने नवीन शब्दों को स्वतंत्र रूप से पढ़ पाना।	I																									
	II																									
विषयवस्तु के बढ़ते क्रम में मात्रा युक्त शब्दों को पढ़ पाना। **(ए,**	I																									

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	माह	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
आ, ई, इ, ऊ, औ)	II																									
सीखे गए वर्ण एवं मात्रायुक्त शब्दों के संयोजन से बने सरल वाक्यों को पढ़ पाना।	I																									
	II																									
सरल वाक्यों की कहानी एवं चित्र – कथा को पढ़ पाना।	I																									
	II																									
छोटे–छोटे वाक्यों की कविता पढ़कर स्वयं समझ पाना।	I																									
	II																									
सरल प्रश्न एवं निर्देशों को पढ़कर समझ पाना।	I																									
	II																									
लिखना																										
नवीन शब्दों को देखकर स्पष्टता एवं सुंदरता के साथ लिख पाना।	I																									
	II																									
सीखे गए वर्णों एवं मात्रा का प्रयोग करते हुए शब्द लिख पाना।	I																									
	II																									
शब्दों के संयोजन से वाक्य बनाकर लिख पाना।	I																									
	II																									
उपयुक्त शब्दों का चयन कर वाक्य बनाकर लिख पाना।	I																									
	II																									
उपयुक्त वर्णों एवं मात्राओं का चयन कर स्वयं शब्द बनाकर लिख पाना।	I																									
	II																									
शब्दों की अन्तिम ध्वनि को सुनकर उनसे प्रारम्भ होने वाले शब्द लिख पाना।	I																									
	II																									
सृजनात्मक अभिव्यक्ति																										
अपनी मनपसंद के चित्र बनाकर रंग भर पाना।	I																									
	II																									
कविता, कहानी पर आधारित चित्र बना पाना।	I																									
	II																									
चित्रों में आवश्यकतानुसार रंग संयोजन कर पाना।	I																									
	II																									

मासिक समेकित रचनात्मक आकलन

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	माह	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50
सुनकर समझना और समझकर बोलना0																										
विषयवस्तु के बढ़ते क्रम में सुनी हुई सरल कविताओं को स्पष्ट शब्दों में दोहरा पाना।	I																									
	II																									
बढ़ते क्रम में दृश्यात्मक चित्रों को देखकर उसका वर्णन समूह में एवं एकल रूप से कर पाना।	I																									
	II																									
पूछे गए विभिन्न प्रश्नों/निदेर्शों को सुनकर जवाब दे पाना।	I																									
	II																									
दृश्यात्मक चित्रों को क्रमबद्धता के साथ कहानी के रूप में बता पाना एवं अपने अनुभव से जोड़ पाना।	I																									
	II																									
विभिन्न परिवेशीय संदर्भों एवं स्वयं की रुचि आदि से संबंधित समूह चर्चा के दौरान अपनी बात को पहल के साथ रख पाना एवं दूसरों की बात को सुन पाना।	I																									
	II																									
संबंधित गीत कविता को लय एवं हावभाव के साथ व्यक्तिगत रूप से पहल के साथ सुना पाना।	I																									
	II																									
संदर्भ के अनुसार पूछे गए प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दे पाना (कब, कौन, कहाँ, कैसे, कितने...)	I																									
	II																									
किसी चित्र, दृश्य, वस्तु आदि का वर्णन अपने शब्दों में बिना झिझक के कर पाना एवं सुनी हुई कहानी को अपने शब्दों में सुना पाना।	I																									
	II																									
पढ़ना और पढ़कर समझना																										
विषयवस्तु के बढ़ते क्रम में संबंधित चित्र के साथ नाम को पढ़ पाना।	I																									
	II																									
विषयवस्तु के अनुसार शब्द में प्रयुक्त वर्णों को पृथक–पृथक पढ़ पाना।	I																									
	II																									
विषयवस्तु के बढ़ते क्रम में आए वर्णों की पहचान कर पढ़ पाना। **(ट, र, ल, च, ब, क, न, थ, ह, द, म, आ, ओ, ख, ड़, झ, ष, ऐ, औ, श, य, अ, प, छ,ए, स, ऊ,इ,फ, ढ,ढ़,घ, उ, ध, ई, त)**	I																									
	II																									
सीखे गए वर्णों से बने नवीन शब्दों को स्वतंत्र रूप से पढ़ पाना।	I																									
	II																									

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	माह	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50
विषयवस्तु के बढ़ते क्रम में मात्रा युक्त शब्दों को पढ़ पाना। **(ए, आ, ई, इ, ऊ, औ)**	I																									
	II																									
सीखे गए वर्ण एवं मात्रायुक्त शब्दों के संयोजन से बने सरल वाक्यों को पढ़ पाना।	I																									
	II																									
सरल वाक्यों की कहानी एवं चित्र – कथा को पढ़ पाना।	I																									
	II																									
छोटे–छोटे वाक्यों की कविता पढ़कर स्वयं समझ पाना।	I																									
	II																									
सरल प्रश्न एवं निर्देशों को पढ़कर समझ पाना।	I																									
	II																									
लिखना																										
नवीन शब्दों को देखकर स्पष्टता एवं सुंदरता के साथ लिख पाना।	I																									
	II																									
सीखे गए वर्णों एवं मात्रा का प्रयोग करते हुए शब्द लिख पाना।	I																									
	II																									
शब्दों के संयोजन से वाक्य बनाकर लिख पाना।	I																									
	II																									
उपयुक्त शब्दों का चयन कर वाक्य बनाकर लिख पाना।	I																									
	II																									
उपयुक्त वर्णों एवं मात्राओं का चयन कर स्वयं शब्द बनाकर लिख पाना।	I																									
	II																									
शब्दों की अन्तिम ध्वनि को सुनकर उनसे प्रारम्भ होने वाले शब्द लिख पाना।	I																									
	II																									
सृजनात्मक अभिव्यक्ति																										
अपनी मनपसंद के चित्र बनाकर रंग भर पाना।	I																									
	II																									
कविता, कहानी पर आधारित चित्र बना पाना।	I																									
	II																									
चित्रों में आवश्यकतानुसार रंग संयोजन कर पाना।	I																									
	II																									

चतुर्थ टर्म

पाठ्यक्रमणीय अधिगम उद्देश्य एवं सम्बन्धित पाठ

पाठ –14 बाजरा (कविता)

- कविता को पढ़ने का प्रयास करना एवं सुनकर अनुकरण द्वारा शब्दों का सही उच्चारण करना।
- अपने अनुभव, जानकारी, विचारों को समूह में प्रस्तुत करना एवं दूसरे के विचारों को धैर्य पूर्वक सुनना।
- घर, परिवेश एवं विद्यालय की भाषा में तालमेल बिठाकर अपने अनुभव व्यक्त करना।
- शब्दों में आए वर्णों को पहचानना, ध्वनि के आधार पर अलग करना एवं लिखना।
- निर्देशानुसार चित्र बनाकर अभिव्यक्त करना।
- स्वयं के द्वारा बनाए गए चित्र के बारे में समूह में बताना।

पाठ– 15 पूँछ की सवारी (कहानी)

- कहानी को सुनकर आनन्द लेना और स्वयं कहानी को पढ़ने का प्रयास करना।
- विषय वस्तु के आधार पर स्वयं के अनुभवों को जोड़ते हुए अपने विचार अभिव्यक्त करना ।
- परिवेश में पाए जाने वाले जीव–जन्तुओं के अवलोकन के अनुभवों को जोड़ना।
- क्या, क्यों वाले प्रश्न के उत्तर पढ़ी एवं सुनी सामग्री से देना ।
- नवीन वर्णों की पहचान करना।
- अनुमान लगाकर पढ़ना एवं अर्थ खोजना।
- वाक्य रचना एवं कहानी रचना को समझना।
- अपनी पंसद का रंग संयोजन करना।

चित्र कहानी : कौए की चतुराई

- कहानी के क्रम को समझना, अनुभव कल्पना एवं विचार को अपने शब्दो में व्यक्त करना।
- व्यक्तिगत स्तर पर इसी प्रकार की कहानी (परिवेश की) सुनाना।

पाठ– 16 हलीम चला चाँद पर (कहानी)

- कहानी को चित्र के माध्यम से अनुमान लगाकर पढ़ना।
- अपने अनुभव एवं काल्पनिक विचारों को लिपिबद्ध करना।
- उच्चारण की स्पष्टता से ध्वनि एवं आकृति स्पष्ट करना।
- सभी मात्राओं का उपयोग करते हुए शुद्ध रूप से लेखन करना।
- स्वयं के बारे में वाक्य बनाकर लिखना।
- चित्र के अनुसार रंग भरना।

पाठ – 17 इन्दर राजा पाणी दो (लोक गीत)

- व्यक्तिगत रूप से कविता को गाकर सुनाना।
- स्थानीय भाषा के अर्थ को समझना।
- शब्दों में से 'ण' की पहचान कर उसका उच्चारण करना।
- लिखकर अपनी जानकारी अभिव्यक्त करना।
- वर्णमाला को क्रम से पहचानना एवं पढ़ना।
- नवीन शब्दों की रचना करना।
- संयुक्त वाक्य के बारे में समझ बनाना।
- सभी मात्राओं का उपयोग करते हुए उनके मध्य अन्तर करना।
- अपने विचारों को सम्मिलित करते हुए वाक्य सृजन करना।

मासिक समेकित रचनात्मक आकलन

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	माह	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
सुनकर समझना और समझकर बोलना																										
सुनी हुई सरल कविताओं को स्पष्ट शब्दों में दोहरा पाना।	I																									
	II																									
दृश्यात्मक चित्रों को देखकर उसका वर्णन समूह में एवं एकल रूप से कर पाना।	I																									
	II																									
संबंधित विषयवस्तु से जुड़े विभिन्न प्रश्नों/निदेर्शों को सुनकर जवाब दे पाना।	I																									
	II																									
दृश्यात्मक चित्रों को क्रमबद्धता के साथ अपने अनुभ्वों को जोड़ते हुए कहानी के रूप में बता पाना ।	I																									
	II																									
विभिन्न परिवेशीय संदर्भों एवं स्वयं की रुचि आदि से संबंधित समूह चर्चा के दौरान अपनी बात को पहल के साथ रख पाना एवं दूसरों की बात को सुन पाना।	I																									
	II																									
संबंधित गीत कविता को लय एवं हावभाव के साथ व्यक्तिगत रूप से पहल के साथ सुना पाना।	I																									
	II																									
संदर्भ के अनुसार पूछे गए प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दे पाना (कब, कौन, कहाँ, कैसे, कितने...)	I																									
	II																									
किसी चित्र, दृश्य, वस्तु आदि का वर्णन अपने शब्दों में बिना झिझक के कर पाना एवं सुनी हुई कहानी को अपने शब्दों में सुना पाना।	I																									
	II																									
पढ़ना और पढ़कर समझना																										
संबंधित चित्र के साथ नाम का पठन कर पाना।	I																									
	II																									
शब्द में प्रयुक्त वर्णों को पृथक–पृथक सही उच्चारण के साथ पढ़ पाना।	I																									
	II																									
विषयवस्तु के बढ़ते क्रम में आए वर्णों की पहचान कर पढ़ पाना। **(ट, र, ल, च, ब, क, न, थ, ह, द, म, आ, ओ, ख, ड़, झ, ष, ऐ, औ, श, य, अ, प, छ,ए, स, ऊ,इ,फ, ढ,ढ़,घ, उ, ध, ई, त, ज, ठ, व, भ, ड,ण)**	I																									
	II																									
सीखे गए वर्णों से बने नवीन शब्दों को स्वतंत्र रूप से पढ़ पाना।	I																									
	II																									
विषयवस्तु के बढ़ते क्रम में मात्रा युक्त शब्दों को पढ़ पाना। **(ए,**	I																									

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	माह	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
आ, ई, इ, ऊ, औ, ओ, उ, ए, ऐ, ं, ँ)	II																									
सीखे गए वर्ण एवं मात्रायुक्त शब्दों के संयोजन से बने सरल वाक्यों को पढ़ पाना।	I																									
	II																									
सरल वाक्यों की कहानी एवं चित्र – कथा का पठन कर पाना।	I																									
	II																									
छोटे–छोटे वाक्यों की कविता पढ़कर समझ पाना।	I																									
	II																									
सरल प्रश्न एवं निर्देशों को पढ़कर समझ पाना।	I																									
	II																									
लिखना																										
नवीन शब्दों को देखकर स्पष्टता एवं सुंदरता के साथ लिख पाना।	I																									
	II																									
सीखे गए वर्णों एवं मात्रा का प्रयोग करते हुए शब्द लिख पाना।	I																									
	II																									
शब्दों के संयोजन से वाक्य बनाकर लिख पाना।	I																									
	II																									
चित्र या संबंधित विषयवस्तु पर चार –पाँच वाक्य स्वयं के स्तर पर लिख पाना।	I																									
	II																									
उपयुक्त वर्णों एवं मात्राओं का चयन कर स्वयं शब्द बनाकर लिख पाना।	I																									
	II																									
प्रश्नों के उत्तर स्वयं के स्तर पर एक वाक्य में लिख पाना।	I																									
	II																									
सृजनात्मक अभिव्यक्ति																										
अपनी मनपसंद के चित्र बनाकर रंग भर पाना।	I																									
	II																									
कविता, कहानी पर आधारित चित्र बना पाना।	I																									
	II																									
चित्रों में सफाई के साथ उचित रंग संयोजन कर पाना।	I																									
	II																									

मासिक समेकित रचनात्मक आकलन

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	माह	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50
सुनकर समझना और समझकर बोलना																										
सुनी हुई सरल कविताओं को स्पष्ट शब्दों में दोहरा पाना।	I																									
	II																									
दृश्यात्मक चित्रों को देखकर उसका वर्णन समूह में एवं एकल रूप से कर पाना।	I																									
	II																									
संबंधित विषयवस्तु से जुड़े विभिन्न प्रश्नों/निदेर्शों को सुनकर जवाब दे पाना।	I																									
	II																									
दृश्यात्मक चित्रों को क्रमबद्धता के साथ अपने अनुभ्वों को जोड़ते हुए कहानी के रूप में बता पाना ।	I																									
	II																									
विभिन्न परिवेशीय संदर्भों एवं स्वयं की रुचि आदि से संबंधित समूह चर्चा के दौरान अपनी बात को पहल के साथ रख पाना एवं दूसरों की बात को सुन पाना।	I																									
	II																									
संबंधित गीत कविता को लय एवं हावभाव के साथ व्यक्तिगत रूप से पहल के साथ सुना पाना।	I																									
	II																									
संदर्भ के अनुसार पूछे गए प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दे पाना (कब, कौन, कहाँ, कैसे, कितने...)	I																									
	II																									
किसी चित्र, दृश्य, वस्तु आदि का वर्णन अपने शब्दों में बिना झिझक के कर पाना एवं सुनी हुई कहानी को अपने शब्दों में सुना पाना।	I																									
	II																									
पढ़ना और पढ़कर समझना																										
संबंधित चित्र के साथ नाम का पठन कर पाना।	I																									
	II																									
शब्द में प्रयुक्त वर्णों को पृथक–पृथक सही उच्चारण के साथ पढ़ पाना।	I																									
	II																									
विषयवस्तु के बढ़ते क्रम में आए वर्णों की पहचान कर पढ़ पाना। **(ट, र, ल, च, ब, क, न, थ, ह, द, म, आ, ओ, ख, ड़, झ, ष, ऐ, औ, श, य, अ, प, छ,ए, स, ऊ,इ,फ, ढ,ढ़,घ, उ, ध, ई, त, ज, ठ, व, भ, ड,ण)**	I																									
	II																									
सीखे गए वर्णों से बने नवीन शब्दों को स्वतंत्र रूप से पढ़ पाना।	I																									
	II																									

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	माह	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50
विषयवस्तु के बढ़ते क्रम में मात्रा युक्त शब्दों को पढ़ पाना। (ए, आ, ई, इ, ऊ, औ, ओ, उ, ए, ऐ, ं, ँ)	I																									
	II																									
सीखे गए वर्ण एवं मात्रायुक्त शब्दों के संयोजन से बने सरल वाक्यों को पढ़ पाना।	I																									
	II																									
सरल वाक्यों की कहानी एवं चित्र – कथा का पठन कर पाना।	I																									
	II																									
छोटे–छोटे वाक्यों की कविता पढ़कर समझ पाना।	I																									
	II																									
सरल प्रश्न एवं निर्देशों को पढ़कर समझ पाना।	I																									
	II																									
लिखना																										
नवीन शब्दों को देखकर स्पष्टता एवं सुंदरता के साथ लिख पाना।	I																									
	II																									
सीखे गए वर्णों एवं मात्रा का प्रयोग करते हुए शब्द लिख पाना।	I																									
	II																									
शब्दों के संयोजन से वाक्य बनाकर लिख पाना।	I																									
	II																									
चित्र या संबंधित विषयवस्तु पर चार –पाँच वाक्य स्वयं के स्तर पर लिख पाना।	I																									
	II																									
उपयुक्त वर्णों एवं मात्राओं का चयन कर स्वयं शब्द बनाकर लिख पाना।	I																									
	II																									
प्रश्नों के उत्तर स्वयं के स्तर पर एक वाक्य में लिख पाना।	I																									
	II																									
सृजनात्मक अभिव्यक्ति																										
अपनी मनपसंद के चित्र बनाकर रंग भर पाना।	I																									
	II																									
कविता, कहानी पर आधारित चित्र बना पाना।	I																									
	II																									
चित्रों में सफाई के साथ उचित रंग संयोजन कर पाना।	I																									
	II																									